ew metadata, citation and similar papers at core.ac.uk
brought to you by CORE
provided by CMFRI Digital Reposit

तटीय कर्नाटक की समुद्री पखमछली विविधता-एक परिदृश्य

राजु शरवणन, दिनेशबाबु, ए.पी. पुरुषोत्तमा जी.बी. और प्रतिभा रोहित
केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, मॅंगलूर अनुसंधान केंद्र, मॅंगलूर, कर्नाटक

कर्नाटक भौगोलिक तौर पर डेक्कान प्लेटों के पश्चिमार्द्ध में स्थित पूर्वी दिशा में आन्द्राप्रदेश, उत्तर के महाराष्ट्र और गोवा और दक्षिण में तमिलनाडु और केरल से घेरा हुआ राज्य है। इस राज्य के चार भू-आकृतिक प्रदेश हैं-उत्तर कर्नाटक प्लेटो, केंद्रीय कर्नाटक प्लेटो, दक्षिण कर्नाटक प्लेटो और कर्नाटक तटीय प्रदेश।

कर्नाटक की तटीय मेखला दक्षिण में उल्लाल से उत्तर में मांजाली तक 27,000 वर्ग कि.मी. के. महाद्वीपीय शेल्फ और 87,000 वर्ग कि.मी की अनन्य अर्थिक मेखला से अनुगृहित है। यहाँ 8000 हे से भी अधिक विस्तार के 26 ज्वारनदमुख हैं जो कर्नाटक के तीन तटीय जिलाओं को समुद्री, ज्वारनदमुखीय और नदीय जैवविविधता से समृद्ध बना देता है। पश्चिम घाट जो तट रेखा से समांतर होकर प्रवहित है, इस तट का एक अविकल अंग है। इन घोटों से उद्भूत चोदह नदीयाँ पश्चिम की ओर प्रवहित होकर अरब समुद्र में विलयित हो जाती हैं। ये नदियों के प्रवाह में वृक्षारोपित पिछले भू-भाग से गाद और कार्बनिक कच्चा ज्वारनद क्षेत्रों में फैल जाते है जो तटीय पारिस्थितिकी की जैवविविधता और उत्पादकता को समृद्ध बना देता है। इन में कई नदियों में ज्वारीय प्रवाह भीतर की ओर 20-30 कि.मी तक जाता है जो इस लवण जलीय आकास को कई समुद्री एवं ज्वारनदमुख जीवों के लिए अत्यधि उपयुक्त बना देता है। तटीय संपदाओं के लिए सालों से किए जाने वाला अतिविदोहन और अन्य मानवीय क्रियाकलापों का यहाँ की जैवविविधता पर विचारणीय प्रभाव है।

तटीय पारिस्थितिकियाँ वैविद्यपूर्ण आकास के साथ दुनिया के सब से उत्पादकीय क्षेत्र हैं। दक्षिण-पश्चिम तट पोषक समृद्ध तटीय जल से भरपुर है जो शैवाल संस्तरों, समुद्री धास स्थली, झाडियों ज्वारनदमुख और मैंग्रोव के लिए समुचित आवास प्रदान करने के

सारणी- 1 तटीय कर्नाटक में समुद्री पखमछलियों का आँर्डवार वितरण

ऑर्डर	कर्नाटक तट से रिकार्ड की गयी जातियों की कुल संख्या
1. आंगुल्लिफोमर्स	14
2. आथेरिन्फोर्मस	1
3. ऑलोपिफोर्मस	5
4. बाट्राकोइडिफोर्मस	2
5. बेलोनिफोर्मस	6
6. बेर्सिफोर्मस	1
7. कारकारिनिफोर्मस	19
8. क्लूपिफोर्मस	28
9. एलोपिफोर्मस	1
10. लामिनिफोर्मस	2
11. लोफिफोर्मस	4
12. माइक्टोफिफोर्मस	1
13. माइलियोबाटिफोर्मस	11
14. ऑफीडीफोर्मस	2
15. पेर्सिफोर्मस	245
16. प्लूरोनेक्टिफोर्मस	16
17. प्रिस्टिफोर्मस	1
18. राजिफोर्मस	6
19. स्कोरपेनिफोर्मस	20
20. सिल्यूरीफोर्मस	7
21. स्टोमिफोर्मस	1
22. सिंग्नाथिफोर्मस	4
23. टेट्रोडोन्टिफोर्मस	13
24. टोरपेडिनिफोर्मस	2
	412

साथ तरह तरह की मछलियों, कवचप्राणियों और अन्य समुद्री जीवों को आहार और गेह प्रदान करती है।

तटीय कर्नाटक के छः प्रमुख पारिस्थिकियाँ हैं जो हैं मैंग्रोव वनस्पति, ज्वारनदमुखें, नदियाँ, समुद्री, तटीय वनस्पति और पारिस्थितिक नाजुक आवास। कर्नाटक के तीन तटीय जिलांए वेलापवर्ती और तलमज्जी संपदाओं से संपुष्ट है और बाँगडों की प्रचुरता के कारण "बाँगडा तट" पुकारा जाता है। कर्नाटक राज्य जैवविविधता प्राधिकरण के लिए वर्ष 2006 में सी एम एफ आर आइ द्वारा समुद्री विविधता एकांतिक रूप से चलाए गए सर्वेक्षण में समुद्री मछलियों की 390 जातियों को देखा गया। जैवविविधता के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष, 2010 को जातियों पर उपलब्ध वर्तमान सूची अद्यतन बनाने के लिए विशेष प्रयास किया गया था। इस अन्वेषण में 22 नई समुद्री पख मछली जातियों (पेर्सिफामर्स से 15 स्कोरपेनिफोमर्ख से 7 और लोफिफोमर्स, माइलोबाटिफोमर्स और ओफीडिफोमर्स एक एक जाति) को संसूचित किया जा सका।

इस रिकार्ड के साथ कुल पखमछली विविधता 22 जोडके कुल 412 जातियाँ हो गयी है। कर्नाटक की समुद्री पखमछली विविधता 24 आँर्डर और 120 वगीकरणात्मक कुल के अधीन से आनेवाली है। इसके अतिरिक्त यह द्रुतगामी अध्ययन दुनिया भर अभी तक विरल रिकाई की गयी स्कोर्पियोन मछली पाराप्टरीरोइस माक्रूरा का प्रथक कलर फोटो प्राप्त करने में भी सफल हुआ। इन अभिलेखनों से यह स्पष्ट होता है कि समुद्री आनेवाले वर्षों में पखमछलियों की विविधता नई जातियों के आगमन के साथ और भी बढने की प्रत्याशा की जा सकती है।

कर्नाटक तक की समुद्री पखमछली विविधता में लगभग 50ऽ के योगदान के साथ पेर्सिफोमर्स सूचि में प्रथम स्थान में है। आँर्डर क्लूपिफोमर्स और स्कोरपेनिफोमर्स क्रमश दूसरे और तीसरे स्थान में आते है। जैवविविधता निर्धारण के महत्व को मानते हुए युनाईटट नेशन (यूएन) ने 2011-2020 तक की अवधि को जैवविविधता दशब्ध (डेकाडे आँन बयोडाइवेर्सिटी) घोषित किया है ऐसी प्रत्याशा की जा सकती इस जैवविविधता दशाब्ध के बाद पखमछली विविधता की वर्तमान टिकाई दुगुनी हो जाएगी। थे प्रवणतायें निरंतर बढती और परिवर्तिन होती जानेवाली समुद्री जैवविविधता के पर निरंतर अध्ययन की आवश्यकता की ओर इशारा करती है।

सारणी - 2 जैवविविधता वर्ष 2010 में कर्नाटक तट से रिकार्ड की गयी समुद्री पखमछली जातियों की सूची

1. आन्टेन्नारियल कोक्किनेयस (लेस्सन, 1831)	लेफिफोर्मस
2. एसेन्ट्रोगोबियस नेबुलोसस (फोरस्कल, 1775)	पेर्सिफोर्मस
3. एटोबाटस फ्लाजेल्लम (ब्लोच क शनेइडर, 1801)	माईलियोबाटिफोर्मस
4. आलेपेस क्लीनी (ब्लोच, 1793)	पेर्सिफोर्मस
5. ब्रोटुला मल्टिबारबाटा (टेम्मिनिक क शलीगेल, 1846)	ऑफिडीफोर्मस
6. कोरिडाक्टिलस माल्टिबारबस (रिचार्डसन, 1848)	स्कोरपेनिफोर्मस
7. कुक्कियोलस जापोनिकस (कुविर, 1829)	पेर्सिफोर्मस
8. जेमपाइलस सेरपेन्स (कुविर, 1829)	पेर्सिफोर्मस
9. हिस्टियोप्टीरस टाइपस (टेम्मिनिक क शीगेल, 1844)	पेर्सिफोर्मस
10. मिनांउस डेम्पस्टेरी (एस्कमेयेर, हालाचेर क राम-राव, 1979)	स्कोरपेनिफोर्मस
11. नॉक्रेट्स डक्टर (लिन्नेयस, 1758)	पेर्सिफोर्मस
12. नेमिप्टिरस बिपुंक्टाटस (वालेन्सियेन्नस, 1830)	पेर्सिफोर्मस
13. नेमिप्टिरस रानडाली (रस्सेल, 1986)	पेर्सिफोर्मस
14. पाराप्टिरोइस माक्रूरा (आलोक, 1896)	स्कोरपेनिफोर्मस
15. पारास्कोलोप्टिस एरियोम्मा (जोर्दान क रिचार्डसन 1909)	पेर्सिफोर्मस
16. पिंजालो पिंजालो (टेम्मिनिक क श्लीगेल, 1843)	स्कोरपेनिफोर्मस
17. प्टीरोइस लुनुलाटा (लटेम्मिनिक क श्लीगेल, 1843)	स्कोरपेनिफोर्मस
18. प्टीरिगोट्राइग्ला हेमिस्टिक्टा (टेम्मिनिक क श्लीगेल 1843)	स्कोरपेनिफार्मस
19. साटिरिक्थिस एडेनी (लोयड, 1907)	स्कोरपेनिफार्मस
20. स्नाइडेरिना गुनय़ेरी (बाउलेंगर, 1889)	स्कोरपेनिफार्मस
21. युरानोस्कोपस सलफ्यूरस (वालेनसियस, 1832)	पेर्सिफोर्मस
22. एक्साइरिक्टिस बाइमाकुलाटस, (रूपेल, 1829)	स्कोरपेनिफार्मस